पर्वतारोही भावना डेहरिया अब विक्रम अवॉर्ड पाने जा रही हैं

मध्य प्रदेश की पर्वतारोही भावना डेहरिया को मिलेगा विक्रम अवॉर्ड, हाई कोर्ट ने चुनौती खारिज की

जबलपुर। माउंट एवरेस्ट फतह कर प्रदेश का नाम रोशन करने वाली पर्वतारोही भावना डेहरिया अब विक्रम अवॉर्ड पाने जा रही हैं। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने सोमवार को उनके चयन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी और राज्य सरकार के निर्णय को सही ठहराया। न्यायमूर्ति प्रणय वर्मा ने आदेश सुनाते हुए कहा कि 2023 के एडवेंचर स्पोर्ट्स कैटेगरी के लिए राज्य सरकार द्वारा लिया गया निर्णय नियमों के अनुरूप है और इसमें कोई त्रुटि नहीं है। भावना की ओर से उपस्थित एडवोकेट अनुनय श्रीवास्तव ने बताया कि अदालत ने राज्य सरकार की प्रक्रिया को भी मान्य माना।

मामले में दायर याचिका मधुसूदन पाटीदार ने दावा किया था कि वे भावना डेहरिया से वरिष्ठ हैं और पुरस्कार के हकदार हैं। लेकिन अदालत ने पाया कि पाटीदार का एवरेस्ट आरोहण वर्ष 2017 का है, जो मध्य प्रदेश पुरस्कार नियम, 2021 के अनुसार निर्धारित पांच वर्ष की पात्रता अवधि से बाहर है। न्यायालय ने कहा कि पाटीदार वर्ष 2023 के पुरस्कार के लिए पात्र नहीं थे और उनका दावा अस्वीकार कर दिया गया। छिंदवाड़ा जिले के तामिया गाँव की निवासी भावना डेहरिया ने दुनिया की पांच महाद्वीपीय सबसे ऊँची चोटियों पर भारत का तिरंगा फहराया है। इन चोटियों में शामिल हैं माउंट एवरेस्ट (एशिया) किलिमंजारो (अफ्रीका), कोज़ियुस्को (ऑस्ट्रेलिया), एलब्रस (यूरोप), अकोंकागुआ (दक्षिण अमेरिका) भावना डेहरिया मध्य प्रदेश से एवरेस्ट फतह करने वाली पहली महिला हैं और अब एडवेंचर स्पोर्ट्स कैटेगरी में विक्रम अवॉर्ड पाने वाली पहली महिला भी बनेंगी। वे और उनकी चार वर्षीय बेटी सिद्धि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की ब्रांड एंबेसडर भी हैं। भारतीय हिमालय को वैश्विक स्तर पर प्रमोट करने के लिए उन्होंने एक अनूठा गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया है। भावना ने पुरस्कार मिलने पर कहा, यह सम्मान मेरे साहस, लगन और पर्वतारोहण में समर्पण का प्रतीक है।

विवाह पहले से ही शून्य, इसलिए तलाक के आवेदन का औचित्य नहीं

जबलपुर। कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश विजय सिंह कावछा की अदालत ने अपने एक आदेश में साफ किया कि हिंदु पति का मुस्लिम पत्नी से विवाह कानून के अनुसार पहले से ही शून्य है। इसलिए विवाह शून्यीकरण का आवेदन औचित्यहीन है। यह निरस्त किया जाता है। आवेदक अरमान श्रीवास्तव ने शाहीन बेगम से विवाह किया था। विवाह के बाद विवाद की स्थिति निर्मित होने पर अदालत चला आया। उसने हिंदू विवाह अधिनियम-1955 की धारा-पांच के अंतर्गत विवाह शून्यीकरण का आदेश पारित करने की मांग की। दोनों का संपर्क इंटरनेट वेबसाइट पर हुआ था। जिसके बाद मुलाकात हुई और मंदिर में विवाह कर लिया। आवेदक हिंदु धर्म को मानता है, जबकि उसकी पत्नी मुस्लिम धर्म की है। आवेदक की ओर से विवाह शून्यीकरण की मांग इसलिए अस्वीकार करने योग्य है, क्योंकि हिंदु विवाह अधिनियम-1955 की आवश्यक शर्तें पूरी न करने के कारण विवाह दिनांक से ही शून्य है।

अतिक्रमण पर कार्रवाई हुई और तेज, प्रमुख मार्गों से हटाए ठेले-टपरे, थिनर कारखाना सील

जबलपुर। नगर निगम, जिला और पुलिस विभाग के सहयोग से शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के उद्देश्य से बड़ा और सख्त अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस संयुक्त कार्रवाई में शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से अवैध रूप से लगे ठेलों, टपरों और निर्माण में बाधा बन रहे कब्जों को सख्ती से हटाया गया। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार एवं अपर आयुक्त अरविन्द शाह ने बताया कि अभियान की शुरुआत ग्वारीघाट रोड़ से हुई, जहाँ आकाशगंगा होटल के सामने बिग बाजार के पास से एक साँची का ठेला जब्त किया गया। इसके अतिरिक्त, गढ़ा बाजार में चल रहे सड़क निर्माण कार्य में बाधक बन रहे अतिक्रमण को भी तत्काल प्रभाव से हटाया गया। शहर के व्यस्त इलाकों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। शास्त्री ब्रिज के पास चंद्रिका टावर रोड पर लगे ठेले-टपरे हटाए गए, वहीं जयंती कॉम्प्लेक्स में भी अतिक्रमण पर कार्रवाई की गई। मदन-महल स्टेशन रोड को भी पूरी तरह से खाली कराकर आवागमन के लिए सुगम बनाया गया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान एक महत्वपूर्ण कार्रवाई में, त्रिमूर्ति नगर स्थित एक थिनर कारखाने को ताला लगाकर सील कर दिया गया। यह कार्रवाई अवैध गतिविधियों और सुरक्षा मानकों के उल्लंघन को लेकर की गई है।

बाजार क्षेत्रों से भी हटे अतिक्रमण

अपर आयुक्त अरविन्द शाह एवं अतिक्रमण अधिकारी मनीष तड़से ने बताया कि नगर निगम और यातायात पुलिस की टीम ने सुपरमार्केट, गंजीपुरा, बड़ा फुहारा कमानिया, खोवा मंडी, बड़ा फुहारा से पांडे चौक व बलदेव बाग तक रोड के किनारे लगे तमाम ठेलों को हटाकर सड़कों को अतिक्रमण मुक्त कराया। रद्दी चौकी से राजा चौक तक के क्षेत्रों में भविष्य में अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी के साथ मुनादी भी कराई गई। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह संयुक्त अतिक्रमण हटाओ अभियान यातायात के नियमों और सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार जारी रहेगा।

पुलिस के साए में लगा स्मार्ट मीटर

जबलपुर। शहर में स्मार्ट मीटर लगाए जाने को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को मोतीलाल नेहरू वार्ड, में स्मार्ट मीटर लगाने पहुंचे बिजली विभाग के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों के बीच विवाद की स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल ज्यादा आने लगे हैं, मीटर में गलत रीडिंग दर्ज हो रही है और कई तकनीकी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। इन समस्याओं को लेकर लोगों ने विरोध जताया, जिससे मौके पर तनाव बढ़ गया और विद्युत कर्मियों को काम रोकना पड़ा। स्थिति बिगड़ते देख जिला प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। एसडीएम पंकज मिश्रा और पुलिस अधिकारियों ने दोनों पक्षों से बातचीत कर माहौल शांत कराया और बिजली विभाग के कर्मचारियों को सुरक्षा मुहैया कराई। इसके बाद स्मार्ट मीटर लगाने का काम दोबारा शुरू कराया गया। प्रशासन ने लोगों को भरोसा दिलाया है कि यदि स्मार्ट मीटर में किसी तरह की तकनीकी दिक्कत है तो उसकी जांच करवाकर समाधान किया जाएगा।

स्कूल के शिक्षक पर धर्मपरिवर्तन कराने का आरोप

जबलपुर। अधारताल थाना क्षेत्र में एक स्कूली छात्र को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किए जाने की शिकायत सामने आई है। छात्र के पिता ने आरोप लगाया है कि स्कूल की एक शिक्षिका और एक फादर उनके बेटे को चर्च जाने और धर्म परिवर्तन के लिए प्रभावित कर रहे हैं। शिकायत लेकर अधारताल थाने पहुंचे सत्यनारायण शर्मा ने बताया कि उनका बेटा अचानक चर्च जाने लगा। परिजनों ने मना किया तो वह गुस्सा होने लगा और घर में झगड़ा करने लगा। पिता का कहना है कि बेटा सेंट जेवियर स्कूल में पढ़ाई करते समय एक शिक्षिका के संपर्क में आया था। उसी दौरान वह चर्च जाने लगा और कहने लगा कि वह ईसाई धर्म अपनाना चाहता है। छात्र के पिता ने आरोपित शिक्षिका और फादर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के समर्थन में अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद की प्रीति धनधारिया भी थाने पहुंचीं। उन्होंने बताया कि मामला गंभीर है और पुलिस से उचित कार्रवाई की मांग की गई है। पुलिस ने शिकायत प्राप्त होने की पुष्टि की है और मामले की जांच की बात कही है।

7 खेतों से सब्जी और मिट्टी के नमूने लिए

ओमती नाले के गंदे पानी से सिंचाई की शिकायत पर बड़ी कार्रवाई

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के सख्त निर्देशों के अनुरूप नगर निगम स्वास्थ्य विभाग और उद्यानिकी विभाग की संयुक्त टीम ने ओमती नाले के किनारे सब्जियों की सिंचाई में दूषित पानी के इस्तेमाल की शिकायत पर बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने नाले के पानी से सींचे जा रहे 7 खेतों से सब्जी और मिट्टी के नमूने जब्त किए।

यह कार्रवाई एम.आर. 4 रोड़, दरयानी क्लासेस के सामने ओमती नाले के किनारे की गई। शिकायतें मिल रही थीं कि नाले के प्रदूषित पानी का उपयोग खाद्य फसलों की सिंचाई के लिए किया जा रहा है, जो शहरवासियों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है।

नमूने जांच के लिए भेजे गए

संयुक्त टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और पाया कि किसान नाले के दूषित पानी का उपयोग कर रहे थे। टीम ने सिंचाई तुरंत रुकवाई और विभिन्न प्रकार की सब्जियों के साथ-साथ मिट्टी के भी नमूने लिए। इन नमूनों को परीक्षण के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जा रहा है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। ज्ञात हो कि यह कार्रवाई कलेक्टर राघवेन्द्र यादव एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर चलाए जा रहे व्यापक अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत दूषित पानी से खेती करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने किसानों को चेतावनी दी है कि वे जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ न करें, अन्यथा उनके उपकरण जब्त करने के साथ-साथ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान उद्यानिकी विभाग से वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी श्रीमती नीता गुजराल, नगर निगम से सी.एस.आई. मोनिका तुमराम, सचिन जैन, एस.आई. किशन दुबे, कोदुलाल अहिरवार, एवं सुपरवाइजर सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। यह अभियान शहरवासियों को जहरीली सब्जियों से बचाने के लिए निरंतर जारी रहेगा।

धान उपार्जन : अभी तक 150 किसानों से 13 हजार 235 क्विंटल धान का उपार्जन

जबलपुर। किसानों से समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की प्रक्रिया अंतर्गत जिले में अभी तक 150 किसानों से 13 हजार 235 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। इन किसानों से 17 उपार्जन केन्द्रो के माध्यम से धान की खरीदी की गई है। जिले में किसानों से धान के उपार्जन के लिए 82 खरीदी केन्द्र स्थापित किये गये हैं। कलेक्टर कार्यालय की खाद्य शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में 8 दिसम्बर तक 74 उपार्जन केन्द्रो में धान विक्रय के लिए 8 हजार 455 किसानों द्वारा स्लॉट बुक किये गये हैं। किसानों से आग्रह किया गया है कि स्लॉट बुकिंग में निर्धारित दिन ही उपार्जन केन्द्रों पर धान लेकर आएं। किसानों से जितनी मात्रा के लिए स्लॉट बुक किया गया है उतनी मात्रा में ही धान खरीदी केन्द्रों पर लाने का अनुरोध भी किया गया है, ताकि उन्हें किसी तरह की असुविधा न हो।

40 चालान और 1.6 लाख रुपए का फाइन

सिंगल यूज प्लास्टिक पर निगम की सख्त कार्रवाई

जबलपुर। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर शहर में अमानक पॉलीथिन के उपयोग और भंडारण पर नगर निगम द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक बड़ा दुश्मन है। निगमायुक्त ने सभी सम्माननीय नागरिकों और व्यापारियों से अनुरोध किया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक को त्यागें और स्वच्छता अभियान में सहयोग प्रदान कर शहर को स्वच्छ बनाएं। आज की कार्रवाई के संबंध में उपायुक्त संभव अयाची एवं स्वच्छता सेल के नोडल अधिकारी अभिनव मिश्रा ने बताया कि आज आधारताल शोभापुर रोड़ स्थित एक ठिकाने पर बड़ी कार्रवाई की गई, जहाँ आशीष महोबिया पिता राम चरण के पास भारी मात्रा में अमानक पॉलीथिन पाई गई।

नगर निगम स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गंदगी करने और प्रतिबंधात्मक पॉलीथिन का भंडारण करने वाले 40 लोगों के विरूद्ध चालानी कार्रवाई की और मौके पर ही 1 लाख 60 हजार रूपये का स्पॉट फाइन लगाया गया। जिसमें कार्रवाई के दौरान आशीष महोबिया पर 1 लाख रूपये का स्पॉट फाइन लगाया, साथ ही, अवैध रूप से संग्रहित की गई लगभग 10 बोरी अमानक प्रकार की पॉलीथिन को भी जब्त कर लिया गया। नगर निगम प्रशासन द्वारा यह स्पष्ट संदेश दिया गया है कि पर्यावरण और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए पॉलीथिन के नियमों का उल्लंघन करने वालों पर किसी भी तरह की नरमी नहीं बरती जाएगी और कड़ी से कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान, उपायुक्त संभव अयाची, स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन एवं स्वच्छता सेल के सहायक नोडल अधिकारी अभिनव मिश्रा के द्वारा तैयार प्लान के अनुरूप संपन्न हुई। कार्रवाई के समय सहायक स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र राज, अनिल बारी, अर्जुन यादव, पोला राव, एवं सी.एस.आई. संभाग 07 रविन्द्र सिंह तथा 14 के राधा पवार आदि उपस्थित रहे।

रिमांड पर 'चिटलर अमित खम्परिया ' कर रहा चौंकाने वाले खुलासे

खम्परिया के नेटवर्क में हड़कंप, नागपुर और मुंबई के एजेंट रडार पर

ऑफिस से दस्तावेज, घर से बरामद हुई बंदूक

हरिभूमि, जबलपुर।

करोड़ों की वसूली, फर्जी दस्तावेज, हवाला ट्रांजेक्शन और टोल घोटाले के मास्टरमाइंड अमित खम्परिया उर्फ चिटलर अमित से पुलिस को रोजाना नए-नए खुलासे मिल रहे हैं। तीन दिन की रिमांड पर लिए जाने के बाद आरोपी ने जो तथ्य सामने रखे, उसके आधार पर पुलिस टीमों ने सोमवार को जबलपुर और सतना में जोरदार दबिश दी। पुलिस कार्रवाई के बाद पूरे नेटवर्क में हड़कंप की स्थिति है।

जबलपुर ऑफिस में दो घंटे की 'खोजबीन'

खम्परिया की रिमांड के दौरान मिले इनपुट्स के आधार पर सोमवार सुबह पुलिस की विशेष टीम अचानक जबलपुर स्थित उसके ऑफिस पहुँची। ऑफिस को सील कर करीब दो घंटे तक खंगाला गया। तलाशी के दौरान पुलिस को कई संभावित डिजिटल दस्तावेज, लेजर, फाइलें, यूएसबी डिवाइस, और ऐसे रिकॉर्ड मिले हैं जिनसे वसूली और हवाला कनेक्शनों की पुष्टि होने की उम्मीद है। सूत्रों का कहना है कि ऑफिस में मिले दस्तावेजों में फर्जी कंपनियों, उधार देने के नाम पर लोगों को फंसाने के मॉड्यूल और टोल कलेक्शन संबंधित कई संदिग्ध लेन-देन के रजिस्टर शामिल हैं। पुलिस टीम ने ऑफिस से बरामद कंप्यूटर हार्ड डिस्क और मोबाइल डेटा भी कब्जे में लिया है।

सतना में दबिश, घर से मिली बंदूक

सबसे बड़ा खुलासा तब हुआ जब पुलिस की दूसरी टीम सतना स्थित उसके घर पहुंची। रिमांड में खम्परिया की स्वीकारोक्ति और मिले इनपुट्स के आधार पर टीम ने घर की तलाशी ली, जहां से एक लाइसेंसी पिस्टल बरामद की गई। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह हथियार कानूनी रूप से वैध था या नहीं और इसका इस्तेमाल किस-किस गतिविधियों में किया गया।

बरामद हुए कीमती सामानों की होगी फॉरेंसिक जांच

सूत्रों के अनुसार घर से कई लाख के दस्तावेज, सोने-चांदी के आभूषण, संदिग्ध नोटबुक, सीसीटीवी डीवीआर और कुछ मुहरबंद पैकेट भी मिले हैं। इन पैकेटों में क्या है, इसका खुलासा फॉरेंसिक जांच के बाद होगा।

पार्टनर्स और एजेंटों की बन रही सूची

पुलिस पूछताछ में खम्परिया ने स्वीकार किया है कि उसके पास फर्जी पहचान पत्रों का पूरा नेटवर्क, हवाला चैनलों के कनेक्शन और कई जिलों में 'कलेक्शन पॉइंट' चलते थे। पुलिस अब यह जांच रही है कि ऑफिस से मिले दस्तावेज उसके किन पार्टनर्स और एजेंटों से जुड़े हैं। नागपुर और मुंबई के जिन दो एजेंटों का नाम पहले सामने आया था, उनके नंबर और बैंक ट्रेल से भी कई चौंकाने वाली कड़ियाँ जुड़ रही हैं।

48 घंटे में तेज होगी कार्रवाई

पुलिस सूत्रों का कहना है कि ऑफिस और घर से जो सामग्री बरामद हुई है, वह केस का दायरा और बड़ा करेगी। आने वाले 48 घंटों में कई बड़े चेहरों पर शिकंजा कस सकता है। जांच टीम अब जबलपुर, सतना, मंडला और नागपुर में और भी स्थानों पर दबिश देने की तैयारी में है। पुलिस अफसरों का कहना है रिमांड में आरोपी कई महत्वपूर्ण जानकारियाँ दे रहा है। यह एक बड़ा नेटवर्क है और हर कड़ी की जांच कर गंभीर धाराओं में कार्रवाई की जाएगी। अमित खम्परिया की गिरफ्तारी भले ही शुरुआत हो, लेकिन पुलिस की तेज और आक्रामक कार्रवाई ने पूरे नेटवर्क की नींव हिला दी है।

भारतीय मूल निवासी ईसाई समुदाय ने क्रिसमस पर सुरक्षा प्रदान करने की मांग की

जबलपुर। आज अम्बेडकर चौक पर भारत मुक्ति मोर्चा (मूलनिवासियों का संगठन का एक विंग राष्ट्रीय क्रिश्चियन मोर्चा) के नेतृत्व में जिला कलेक्टर व एस.पी. को ज्ञापन प्रेषित कर मांग की गई कि दिसम्बर माह में क्रिसमस से संबंधित आराधना, प्रार्थना एवं अन्य कार्यक्रमों एवं रविवारीय धार्मिक सभाओं में समुचित सुरक्षा प्रदान की जाये। क्रिसमस से संबंधित कार्यक्रमों को गैर कानूनी तरीके से बाधित करने वाले तथा कानून व्यवस्था बिगड़ने वाले संगठनों के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं के ऊपर त्वरित एवं निष्पक्ष उचित कानूनी कार्यवाही की जाए। धर्मान्तरण के झूठे आरोपों के आधार पर बिना जांच के किसी के विरूद्ध एफ.आई.आर. दर्ज न की जाये तथा निर्दोष ईसाई नागरिकों को उत्पीड़न से बचाया जाये। क्रिसमस के दिन ईसाई समाज के शासकीय अधिकारी कर्मचारी को अनावश्यक रूप से किसी प्रकार की ड्यूटी पर न बुलाया जाये, उक्त मांगों को लेकर आज अम्बेडकर चौक पर जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन प्रेषित कर ईसाई समुदाय की सुरक्षा की मांग की गई। ज्ञापन में जिला संयोजक सेमिअल जेम, अतुल जोसफ, राजेन्द्र अतुलकर, विनय भगत, अनिल वंशकार, रामराज पटेल के साथ अनेक कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन में हिस्सा लिया।

खबर संक्षेप

नवनियुक्त शिक्षकों की परिवीक्षा अवधि पूर्ण होते ही आदेश जारी करने की मांग

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी-कर्मचारी संगठन ने शिक्षा विभाग में कार्यरत नवनियुक्त शिक्षकों की समस्याओं को लेकर कलेक्टर से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि तीन वर्षीय परिवीक्षा अवधि के दौरान शिक्षक ऑनलाइन स्थानांतरण के लिए आवेदन नहीं कर पाते, क्योंकि पोर्टल उनकी आईडी को स्वीकार नहीं करता, जिससे उन्हें गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। संगठन ने आरोप लगाया कि परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने के बाद भी वरिष्ठ कार्यालय की देरी के कारण आदेश समय पर जारी नहीं होते, जिससे शिक्षकों को पूर्ण वेतन सहित अन्य लाभों से वंचित रहना पड़ता है। रॉबर्ट मार्टिन सहित संगठन के पदाधिकारियों ने कलेक्टर से मांग की है कि संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया जाए कि परिवीक्षा पूर्ण होते ही आदेश शीघ्र जारी किए जाएं, ताकि नवनियुक्त शिक्षकों को आर्थिक नुकसान न हो।

बाबा साहब अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर अबॉक्स ने दी श्रद्धांजलि

जबलपुर। भारत रत्न संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर 06 दिसम्बर को अम्बेडकर चौक स्थित प्रतिमा पर आदिवासी बहुजन अधिकार कल्याण संघ द्वारा माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रदेश अध्यक्ष देवेश चौधरी ने कहा कि बाबा साहब के संविधान की रक्षा के लिए संकल्पित हैं जो संविधान विरोधी ताकत हैं उनके खिलाफ एकजुट होने का आव्हान किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष देवेश चौधरी, तेजकुमार भगत, तरुण रोहितास, सीएस सिरसाठ, राजकुमार सिंह, जीवन जाटव, उमेश मेहरा, सुनील चौधरी, सोनेलाल उरेती, नत्थूलाल सतनामी, राजेंद्र कापसे, जीवन जाटव, राजेश मिश्रा, दीपक चौधरी, महेश अहिरवार, दिनेश चौधरी, विनय झारिया, योगेश मरावी आदि उपस्थित थे।

जिला बनाने आज से सिहोरा-खितौला बंद

अनशनकारी साहू की हालत बिगड़ी, आज से जल भी त्याग देंगे

मांग पूरी नहीं हुई तो आज से आमरण अनशन भी प्रारम्भ होगा

बसों का संचालन, कृषि उपज मंडी बंद रहेगी,स्कुलो ने घोषित की छुट्टी

सिहोरा। चरम पर पहुंच चुके जिला आन्दोलन के लिए आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण होने वाला है तीन दिन से अन्न त्याग कर अनशन पर बैठे आर एस एस के पूर्व प्रचारक प्रमोद साहू का सोमवार को 6.75 किलो बजन कम होने से उनका शरीर पूरी तरह निढाल हो गया है। उनकी बिगड़ती हालत ने पूरे सिहोरा क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है जानकारी लगते हैं सैकड़ों लोग कालभैरव चौक पहुंच गये और जमकर नारेबाजी की वर्तमान में जिससे स्थिति तनाव पूर्ण बन गई । आज से जहां उन्होंने जल भी त्यागने की घोषणा की है तो वहीं अनेक लोगों के आमरण अनशन पर भी बैठने की खबर है।

यातायात, कृषि उपज मंडी, स्कूल बंद रहेंगे

जिला की मांग को लेकर आज से अनिश्चितकालीन सिहोरा खितौला बंद का आयोजन भी जहां व्यापारियों ने किया है वहीं बस आपरेटरों ने भी अपने वाहन बंद रखने की बात कही है। निजी स्कुलों ने भी अप्रिय स्थिति को देखते हुए शिक्षण संस्थानों में शालेम स्कुल, ग्लोरियस, मिस्पा मिशन, चंदा देवी नारायण प्रसाद सहित अनेक स्कुलो ने आज अवकाश घोषित कर दिया है। तो वहीं कृषि उपज मंडी भी बंद रहेगी।

आन्दोलन में शामिल होने सिहोरा पहुंचेंगे हजारों लोग

जिस तरह से तैयारी चल रही है उससे यह अंदाजा तो लगाया जा सकता है कि आज आन्दोलन स्थल पुराने बस स्टेंड में सिहोरा, मझौली, बहोरीबंद, ढीमरखेड़ा सहित अनेक गांवों से हजारों लोगों की भीड़ पुराना बस स्टेंड में पहुंचेगी जो जिला आन्दोलन में हिस्सा लेंगी। तथा सद्बुद्धि यज्ञ में पुष्पांजलि अर्पित करेगी प्रस्तावित जिले के कोने कोने से आने वाले लोगों के लिए खाने की व्यवस्था भी नगर वासियों द्वारा की गई है। आयोजकों का दावा है कि आज का दिन सिहोरा आंदोलन के इतिहास में निर्णायक साबित होगा।

विधायक एसडीएम पहुंचे साहू से मिलने

आज प्रस्तावित सिहोरा बन्द एंव पुरानी सिहोरा तहसील के प्रत्येक ग्राम से लोगों के सिहोरा आने के मद्देनजर आन्दोलन की व्यापकता को देखते हुए हरकत में आये जनप्रतिनिधी एंव प्रशाशन के नुमाइन्दो ने मध्यस्थता की पहल करते हुए विधायक सन्तोष बरकडे. के साथ पहुंचे सिहोरा एस डी एम पुष्पेन्द्र अहके को लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ा।लोगों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश था की गत 6 दिसम्बर से अनशनरत प्रमोद जी के स्वास्थ की जानकारी लेना तक उचित नहीं समझा गया ओर जब आन्दोलन ने व्यापक रुप ले लिया तो फिर एक बार आश्वाशन का झुनझुना थमाने आ गये। अनशनरत पूर्व प्रचारक साहू ने आश्वासनों को दर किनार करते हुऐ दो टुक शब्दों में कहा की देहदान में कर चुका हुं यदि मेरी जीवन मेरी कर्मभूमी के काम आता है यह मेरे लिए सौभाग्य की बात होगी। शासन सीधे सिहोरा को जिला घोषित कर कलेक्टर एस पी की पदस्थापना करें।उनका कहना है कि जब तक सिहोरा को जिला बनाने पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता तब तक यह त्याग जारी रहेगा।

सरकार की संवेदनहीनता पर फूटा जनता का गुस्सा

पूर्व प्रचारक साहू की हालत बिगड़ने की खबर फैलते ही पूरे सिहोरा में आमजन की चिंता के साथ-साथ सरकार के प्रति नाराजगी चरम पर पहुंच गई है। लोगों का कहना है कि यह केवल एक व्यक्ति का स्वास्थ्य नहीं, बल्कि जनता की भावनाओं और अधिकारों की अनदेखी का परिणाम है। उनके जल त्यागने और आन्दोलन गंभीर मोड़ पर पहुंचने के कारण प्रशासन और शासन पर दबाव कई गुना बढ़ा दिया है।आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो हालात और भी विस्फोटक हो सकते हैं। सिहोरा का यह आंदोलन अब मांग नहीं,बल्कि सम्मान,अस्तित्व और अधिकार की लड़ाई बन चुका है। अगर आज के प्रदर्शन के बाद भी सरकार सिहोरा जिला को लेकर कोई निर्णय नहीं लेती तो आज तीन बजे से बस स्टेंड सिहोरा में भी आमरण अनशन की शुरुआत सिहोरा वासियों द्वारा की जावेगी।

छठवें जत्थे में बैठे दो दर्जन से अधिक

छठवें जत्थे के रुप में पार्षद अरशद खान,महेंद्र वंशकार,लालू यादव,रईस खान,हरि प्रसाद गुप्ता, सतीश गिरी महाराज,सत्येंद्र पांडे,शेख इजराइल, गिरधर सरावगी,राकेश गुप्ता,फैज आलम शाह,शेख साबिर,जाकिर अली,साजिद मकरानी, सुर्कीति त्रिपाठी,गुल्लू खान,अफजल बैग,शेख इसदाद,मोंटी मंसूरी,साजिद खान,जावेद खान, साजिद अंसारी,वसीद अली,रियाज अंसारी,प्रशांत मिश्रा,अनिल कन कने,अनिल जैन,शकील अजहर अली,सुमन पटेल,रूपाली सराफ,संगीता विश्वकर्मा,पार्वती पटेल,अंजना साहू,आरती रजक,शिवांगी साहू,राधा साहू आदि क्रमिक अनशन पर बैठे।

वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस : लेख और डिज़ाइन पर गहन मंथन

स्मारिका ऐसी हो कि स्मृतियों में बस जाये

जबलपुर। वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस स्मारिका समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक गत दिवस आइडियल हिल्स स्थित पंकज गौर के निवास पर आयोजित की गई। बैठक में स्मारिका से जुड़े सभी प्रमुख बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सबसे पहले यह समीक्षा की गई कि अब तक कितने लेख एवं सारांश समिति को प्राप्त हो चुके हैं और आगे कितने प्राप्त किए जा सकते हैं। साथ ही यह भी विचार किया गया कि उपलब्ध सारांशों में से कितने हिंदी भाषा में हैं और कितने अंग्रेज़ी में।

प्रस्तुति पर विशेष फोकस

समिति ने इस बात पर विशेष ध्यान दिया कि दोनों भाषाओं की सामग्री को किस स्वरूप में प्रस्तुत किया जाए ताकि स्मारिका न केवल सौंदर्यपूर्ण हो, बल्कि लंबे समय तक संजोकर रखने योग्य भी बने। डिज़ाइन को लेकर भी सदस्यों ने रुचि दिखाते हुए कई सुझाव रखे और स्मारिका की रूपरेखा को आकर्षक व सुव्यवस्थित बनाने पर सहमति जताई। बैठक में समिति के सदस्य पंकज गौर, डॉ. निलंजना पाठक, डॉ. सोमा गुहा, डॉ. नीना उपाध्याय, डॉ. राहुल शर्मा, डॉ. शिवांगी शर्मा और सुजाता गौर उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने अपनी–अपनी राय और सुझाव साझा करते हुए स्मारिका के उच्च गुणवत्ता वाले प्रकाशन की दिशा में सामूहिक निर्णय लिए।

सन्तुलन अनिवार्य रूप से हो

बैठक में विशेष रूप से डॉ. अखिलेश गुमास्ता की उपस्थिति उल्लेखनीय रही, जिन्होंने सामग्री संरचना, भाषा संतुलन और डिज़ाइन को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक का समापन इस निष्कर्ष के साथ हुआ कि स्मारिका को उत्कृष्ट, व्यवस्थित और यादगार रूप में तैयार किया जाएगा, ताकि यह संस्था के गौरव का प्रतीक बने।

नौका विहार का निरीक्षण, सफाई व सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायज़ा

भेड़ाघाट।

संगमरमर की अलौकिक वादियों और कल-कल बहते जलप्रपात के बीच नौका विहार भेड़ाघाट पर्यटन की पहचान बना हुआ है। इसी व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से नगर परिषद अध्यक्ष चतुर सिंह लोधी और उपाध्यक्ष जगदीश दहिया ने नौका घाट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नौकाघाट प्रभारी लक्ष्मी नारायण दुबे भी उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने नावों की मरम्मत, घाट की सफाई व लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य करने जैसी सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से परीक्षण किया। नगर परिषद सीएमओ विक्रम सिंह झरिया द्वारा पूर्व में दिए निर्देशों के तहत पर्यटकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए कर्मचारियों को सख्त हिदायत दी गई। अध्यक्ष लोधी और उपाध्यक्ष दहिया ने स्पष्ट किया कि पर्यटकों की सुविधा व सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

महापरिनिर्वाण दिवस पर रेल मंडल में हुई श्रद्धांजलि सभा

जबलपुर।

जबलपुर रेल मंडल में सोमवार को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय प्रांगण में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा द्वारा डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा/चित्र पर माल्यार्पण कर तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। अपर मंडल रेल प्रबंधक आनंद कुमार एवं सुनील टेलर ने भी पुष्प अर्पित कर बाबा साहब को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अधिकारियों ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचारों का अनुसरण कर ही हम मजबूत, समानता-आधारित एवं प्रगतिशील भारत का निर्माण कर सकते हैं। इस दौरान वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सुबोध विश्वकर्मा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता रामबदन मिश्रा, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर राहुल जयपुरियार, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक रजनीकांत साहू, सहायक कार्मिक अधिकारी पंकज सिन्हा, सहायक वाणिज्य प्रबंधक गुन्नार सिंह सहित रेलवे अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

अमानक कीटनाशकों पर कृषि विभाग का शिकंजा, तीन कंपनियों को नोटिस

पनागर। क्षेत्र में अमानक कीटनाशकों का बड़ा मामला उजागर होने पर कृषि विभाग ने सख्त कार्रवाई करते हुए तीन प्रतिष्ठित कंपनियों यूलिंक एग्रीटेक प्रा. लि., क्रिस्टल प्रोटेक्शन लि. और सुमोटोमो केमिकल प्रा. लि. को कारण-बताओ नोटिस जारी किए हैं। कीटनाशक निरीक्षक पंकज शर्मा द्वारा लिए गए नमूनों की प्रयोगशाला रिपोर्ट में उत्पाद गुणवत्ता परीक्षण में फेल पाए गए, जो कीटनाशक अधिनियम 1968 का गंभीर उल्लंघन है।

उपसंचालक कृषि एस.के. निगम ने चेतावनी दी कि किसानों के हितों के विरुद्ध किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभाग ने विक्रेताओं को प्रमाणित उत्पाद ही बेचने और किसानों को बिल अवश्य देने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन अब जिलेभर में कड़ी निगरानी और आकस्मिक निरीक्षण बढ़ाने की तैयारी में है।

बिजली विभाग की लापरवाही से दो मजदूरों की मौत, पोड़ा में बढ़ा आक्रोश

पनागर

जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक–16 के पोड़ा में 48 घंटे के भीतर हुई दो दुखद मौतों ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। 6 दिसंबर को तलाड़ फीडर में काम करते समय अशीस लोधी और इसके बाद आज संदीप लोधी की करंट लगने से मौत हो गई। दोनों ही मामलों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी को कारण माना जा रहा है।

जिला पंचायत सदस्य प्रदीप पटेल ने विभाग की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते हुए दोषियों पर कठोर कार्रवाई और मृतक परिवारों को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों ने भी बिना सुरक्षा उपकरण और कम स्टाफ के बीच मजदूरों से काम कराए जाने पर कड़ा रोष व्यक्त किया।

वरिष्ठ पत्रकार काशीनाथ शर्मा की प्रथम पुण्यतिथि पर संवाद कार्यक्रम आयोजित

पत्रकारों की स्मृतियों को संजोने के लिए होगा उद्यान का निर्माण: महापौर

जबलपुर। वरिष्ठ पत्रकार काशीनाथ शर्मा कभी भुलाए नहीं जा सकते। उनकी लेखनी, विचारधारा, शहर विकास में विशेष योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। पं. काशीनाथ जैसे संस्कारधानी के दूसरे लेखनी के धनी वरिष्ठ पत्रकार, जो इस दुनिया को अलविदा कह चुके हैं, ऐसे पत्रकारों की स्मृतियों को हमेशा यादों में संजोने के लिए एक उद्यान का निर्माण किया जाएगा। ये घोषणा महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने वरिष्ठ पत्रकार काशीनाथ शर्मा की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में की।

कला विथिका में जबलपुर पत्रकार संघ एवं प्रोफेशनली एजुकेटेड जर्नलिस्ट एसोसिएशन (पेजा)की ओर से आयोजित संवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने अपने उद्बोधन में कहा कि काशीनाथ को याद करते हुए कहा कि काशीनाथ जैसे निर्भीक, निडर और बेबाक पत्रकार को आसानी से नहीं भुलाया जा सकता। अपनी लेखनी, तार्किक विचारों के जरिए वो हमेशा हम सबके साथ रहेंगे। संवाद कार्यक्रम में नगर निगम के अध्यक्ष रिंकुंज विज, एम.आई.सी. सदस्य डॉं. सुभाष तिवारी, वरिष्ठ पार्षद कमलेश अग्रवाल के साथ वरिष्ठ पत्रकार चैतन्य भट्ट, सच्चिदानंद शेकटकर, पंकज स्वामी, गंगाचरण मिश्र, पंकज शाह, संजीव चौधरी, विप्लव अग्रवाल, संजीव श्रीवास्तव, सुगन जाट, अंशु शर्मा, पवन पांडे, मयंक तिवारी, सुमन पुरोहित, संजय गोस्वामी, राजेश विश्वकर्मा पिन्टू, संजय साहू, अनुराग खरे, शुभम शुक्ला, सादिक खान, राजेश मालवीय, संजय मलिक, अमरजीत खरे ने भी काशीनाथ शर्मा के साथ अपनी यादों को साझा करते हुए कई संस्मरण सुनाए। इसके पहले समस्त अथितियों व पत्रकार साथियों ने काशीनाथ शर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार गंगाचरण मिश्र, रविन्द्र दुबे, परितोष वर्मा, मतलूम अंसारी सहित अन्य ने समस्त पत्रकारों की ओर से महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू को सिविल लाइन्स स्थित इलाहाबाद चौक से साईं मंदिर तक मार्ग का नाम पंडित काशीनाथ शर्मा के नाम पर जाने को लेकर पत्र सौंपा। इस दौरान रिटायर्ड पुलिस अधिकारी राजेश तिवारी, सज्जाद सैफी, राधेश्याम अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

श्री वीके गोपालकृष्णन नायर- आस्था रेसीडेंसी हाथीताल कॉलोनी निवासी श्री वीके गोपालकृष्णन नायर (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री बाबू लाल रजक- नया मोहल्ला मढ़ाताल निवासी श्री बाबू लाल रजक (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कल्लू चौधरी- रविदास नगर बाबा टोला निवासी श्री भद्दी लाल चौधरी के पुत्र श्री कल्लू चौधरी (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुनयना गिरी- प्रोफेसर कॉलोनी करमेता निवासी श्री सुरेंद्र गिरी की धर्मपत्नी श्रीमती सुनयना गिरी (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती छोटी बाई केवट- लोधी मोहल्ला गोरखपुर शारदा टाकीज के पीछे निवासी श्री मोती लाल केवट की धर्मपत्नी श्रीमती छोटी बाई केवट (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री रमेश चंद्र श्रीवास्तव- बृजनगर कॉलोनी शाजापुर निवासी श्री रमेश चंद्र श्रीवास्तव (93) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मोनू चक्रवर्ती- इंद्रा नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री लालमन चक्रवर्ती के पुत्र श्री मोनू चक्रवर्ती (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री देवकी नंदन सोनी- खिरहनी फाटक कटनी निवासी श्री देवकी नंदन सोनी (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गौरव सिंह लोधी- बढ़ई मोहल्ला फूटाताल निवासी श्री गौरव सिंह लोधी (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री जुगल किशोर पचौरी- संगम कॉलोनी बल्देवबाग निवासी श्री जुगल किशोर पचौरी (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उषा अग्रवाल- शारदा चौक गंगासागर रोड निवासी श्री राम नरेश अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती उषा अग्रवाल (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री शिव प्रसाद बर्मन- शोभापुर गोकलपुर निवासी श्री शिव प्रसाद बर्मन (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जीतेंद्र बेन- मदन मोहन मालवीय वार्ड निवासी श्री राजू बेन के पुत्र श्री जीतेंद्र बेन (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सोना बाई चौहान- आस्था परिसर राम नगर अधारताल निवासी श्री राम स्वरूप चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती सोना बाई चौहान (95) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री महेश प्रसाद मौर्य- झिरिया कुआं आचार्य विनोबा भावे वार्ड निवासी श्री महेश प्रसाद मौर्य (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती गुड्डी बाई बर्मन- गौरीघाट पुरानी बस्ती निवासी श्री छन्नू लाल बर्मन की धर्मपत्नी श्रीमती गुड्डी बाई बर्मन (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मुन्ना लाल अधिकार- कांचघर शीतलामाई रोड निवासी श्री मुन्ना लाल अधिकार (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती राजकुमारी दुबे- संस्कार सिटी सूरतलाई कटंगी रोड निवासी श्री सुरेद्र कुमार दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती राजकुमारी दुबे (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती जमनी मार्को- उदय नगर नं. 2 व्हीकल रोड निवासी श्री हल्कू सिंह मार्को की धर्मपत्नी श्रीमती जमनी मार्को (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री बाल किशन शर्मा- संजय नगर पोलीपाथर निवासी श्री बाल किशन शर्मा (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति कॉलम से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 8x8 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362160

संसद में वंदे मातरम पर तीखी बहस राजनाथ बोले

जन-गण-मन व वंदे मातरम मां भारती की दो आंखें, इसे अपूर्ण बनाने की कोशिश की गई और जिन्ना के चश्मे से भी देखा गया

राजनाथ सिंह ने कहा कि 'कुछ लोग यह नैरेटिव बनाने की कोशिश कर सकते हैं कि जन-गण-मन और वंदे मातरम के बीच एक दीवार खड़ी की जा रही है। ऐसा नैरेटिव बनाने का प्रयास विभाजनकारी सोच है। जनता को सब जानना चाहिए

राष्ट्रगीत के साथ अन्याय किया गया, इसे दबाया गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कुछ लोग यह नैरेटिव बनाने की कोशिश कर सकते हैं कि जन-गण-मण और वंदे मातरम के बीच एक दीवार खड़ी की जा रही है। ऐसा नैरेटिव बनाने का प्रयास विभाजनकारी सोच है. जो लोग यह बात नहीं समझते है वह मां की ममता को भी नहीं समझ सकते. राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि जन-गण-मन और वंदे मातरम मां भारती की दो आंखें है। मां भारती के दो अमर सपूतों की किलकारियां हैं। वंदे मातरम का उदघोष किसी के खिलाफ नहीं है,बल्कि यह हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान की अभिव्यक्ति है। सिंह ने कहा वंदे मातरम के साथ जो न्याय होना चाहिए था, वह नहीं हुआ। जन-गण-मण राष्ट्रीय भावना में बसी, लेकिन वंदे मातरम को दबाया गया। वंदे मातरम के साथ हुए अन्याय के बारे में हर किसी को जानना चाहिए। वंदे मातरम के साथ इतिहास का एक बड़ा छल हुआ। इस अन्याय के बावजूद वंदे मातरम का महत्व कभी कम नहीं हो पाया। वंदे मातरम स्वयं में पूर्ण है, लेकिन इसे अपूर्ण बनाने की कोशिश की गई। इसके साथ जो अन्याय हुआ, उसे जानना जरूरी है. क्योंकि देश की भावी पीढ़ी वंदे मातरम के साथ अन्याय करने वालों की मंशा जान सके।

इसने ब्रिटिश साम्राज्य को झुकाया

सिंह ने कहा कि वंदे मातरम-इतिहास और वर्तमान से जुड़ा हुआ है। वंदे मातरम ने देश को जगाया है। ये सिर्फ बंगाल के चुनाव से नहीं जुड़ा है। वंदे मातरम ने ब्रिटिश साम्राज्य को झुकाया है।

ब्रिटिश हुकूमत लोगों के मानस से वंदे मातरम को नहीं निकाल सकी

संसद में वंदे मातरम पर बोलते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

राजनाथ ने कहा कि बंगाल विभाजन के खिलाफ हुए आंदोलन के दौरान वंदे मातरम की गूंज जनमानस में बैठी। ब्रिटिश हुकूमत ने इसके खिलाफ एक सर्कुलर जारी किया, लेकिन फिर भी ब्रिटिश हुकूमत लोगों के मानस से वंदे मातरम को नहीं निकाल सकी। 1906 में जब पहली बार भारत का पहला झंडा बनाया गया, तब उसके मध्य में वंदे मातरम लिखा था। वंदे मातरम नाम से अखबार भी था।

जन गण मन और वंदे मातरम मां भारती के दो सपूतों की किलकारियां

सिंह ने कहा कि मां अपने बच्चों में कोई भेदभाव नहीं करती। जन गण मन और वंदे मातरम-भारत माता के दो सपूतों की किलकारियां हैं। उन्होंने बताया कि ये दोनों गीत न केवल देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक हैं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम में भी लोगों को एकजुट करने का काम करते रहे। ये भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय भावना की आत्मा हैं, जो हर भारतीय के दिल में गर्व और प्रेम की भावना जगाते हैं।

इन्होंने भी कहा

जिन्ना को इससे नफरत थी और पंडित नेहरू झुक गए थे : रविशंकर

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने लोकसभा में संबोधन पर कहा कि आज भारत की संसद में एक बहुत ऐतिहासिक बहस हुई है। वंदे मातरमम की विरासत को प्रधानमंत्री मोदी ने बहुत विस्तार से बताया है। पूरे देश को यह सीखने और समझने का अवसर मिला है। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि पावन राष्ट्रभक्ति के भाव के इस गीत को इसलिए तोड़ा गया क्योंकि मोहम्मद अली जिन्ना को इससे नफरत थी और पंडित नेहरू झुक गए थे।

राहुल के नदारद रहने पर उठे सवाल

मुस्लिम लीग के आगे समर्पण किया

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी अहम चर्चा के वक्त सदन में मौजूद नहीं थे, क्योंकि उनके मन में अपराधबोध है। प्रधानमंत्री ने भी कांग्रेस के रुख पर कहा कि कांग्रेस ने वंदे मातरम के साथ विश्वासघात किया और मुस्लिम लीग के आगे समर्पण किया।

विपक्ष से बोले गोगोई

कांग्रेस ने वंदे मातरम को उसकी अहमियत दी

सदन में कांग्रेस के डिप्टी लीडर गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की यह आदत है कि जब भी वह किसी मुद्दे पर बोलते हैं तो भारत के पहले प्रधानमंत्री नेहरू और कांग्रेस का जिक्र करते रहते हैं।ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान उन्होंने नेहरू का नाम 14 बार और कांग्रेस का नाम 50 बार लिया। जब संविधान की 75वीं सालगिरह पर चर्चा हुई, तो नेहरू का नाम 10 बार और कांग्रेस का नाम 26 बार लिया गया। गोगोई ने कहा कि अगर किसी राजनीतिक पार्टी ने वंदे मातरम को वह अहमियत दी जिसका वह हकदार था, तो वह कांग्रेस थी। उनकी पार्टी ने यह पक्का किया कि इसे सिर्फ एक राजनीतिक नारे के तौर पर न देखा जाए।

यह सिर्फ गाने के लिए नहीं, निभाने के लिए

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने वंदे मातरम ने देश को एक किया और आज़ादी की लड़ाई में जान डाली। सत्ता पक्ष हर चीज पर कब्जा करना चाहता है। यादव ने कहा कि वंदे मातरम सिर्फ पढ़ने के लिए नहीं है, बल्कि इसका पालन करने के लिए है।

ठाकरे कहते थे- देश में रहना है तो: बरने

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना के सांसद बरने ने बालासाहेब ठाकरे के बयान से अपने वक्तव्य की शुरुआत की। बकौल बरने, 'बालासाहेब कहते थे, अगर इस देश में रहना है तो वंदे मातरम कहना होगा। बाला साहेब ठाकरे गर्व से कहते थे हम हिंदू हैं, इस पर भी हमें गर्व है।

अनुराग ने भी विपक्ष को घेरा

'वंदे मातरम सिर्फ गीत नहीं, राष्ट्रीय प्रेम की रीत है, इसलिए कांग्रेस इससे भयभीत है

हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर लोकसभा सीट से निर्वाचित भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए आज की चर्चा ऐतिहासिक दस्तावेज की तरह बनकर उभरेगी। उन्होंने कहा कि ये कोई धार्मिक गीत नहीं, ये राष्ट्र की आत्मा और भारत के गौरव का गीत है। ये देश की संस्कृति और विरासत का प्रतीक है।

कांग्रेस के अधिवेशन में यह इस्लाम विरोधी नहीं था तो अब कैसे हो गया?

वंदे मातरम के काटे गए हिस्सों और इसके इतिहास का जिक्र करते हुए ठाकुर ने कहा कि यह उतना ही पवित्र है, जितना, गीता, बाइबल और कुरान है। ठाकर ने कहा, अगर 1896 में कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन में वंदे मातरम इस्लाम विरोधी नहीं था तो बाद में यह कैसे हो गया?

जिन्ना के मुन्ना को भी वंदे मातरम से दिक्कत?

ठाकुर ने कहा है कि वंदे मातरम राष्ट्र भक्तों के लिए ऊर्जा का स्रोत है, लेकिन कुछ लोगों को इससे एलर्जी है। मैं 150 वीं जयंती पर इतना ही कहूंगा, कि अंग्रेजों को वंदे मातरम से दिक्कत थी, जिन्ना को वंदे मातरम्म से दिक्कत थी, जिन्ना के मुन्ना को भी इससे दिक्कत है? इसकी कुछ पंक्तियों को क्यों हटाया गया?

शरद पवार की पार्टी के सांसद ने क्रांतिकारियों को याद किया

सांसद मुरलीधर एनसीपी (शरद पवार) गुट के सांसद ने मराठी भाषा में कहा कि आजादी के आंदोलन में इसका योगदान कभी न भूलने वाला है। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ देशवासियों को एकजुट करने में इसने बड़ी भूमिका निभाई है।

खबर संक्षेप

बंगाल में सर के लिए 5 विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची की विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया यानी एसआईआर को और

पारदर्शी व सख्त निगरानी वाली बनाने के लिए चुनाव आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। आयोग ने राज्य के डिवीजनों में 5 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किया है, ताकि सर से जुड़े काम नियमों के हिसाब से हों।

उत्तराखंड कांग्रेस के बड़े नेता दिल्ली तलब

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस के बड़े नेताओं को दिल्ली बुलाया गया है। प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल,

हरीश रावत, हरक सिंह रावत, प्रीतम सिंह, यशपाल आर्य और करन महारा दिल्ली बुलाए गए हैं। इनकी आलाकमान के साथ मीटिंग होगी। चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरक सिंह ने सिखों को लेकर विवादित टिप्पणी की थी।

साइको रेप के आरोपी का हाफ एनकाउंटर

अहमदाबाद । गुजरात के अहमदाबाद में पुलिस ने रेप के साइको आरोपी का एनकाउंटर

किया है। आरोपी का क्राइम ब्रांच टीम ने एनकाउंटर किया है। पुलिस ने पैर में गोली मारी है। आरोपी पुलिस कांस्टेबल भरत भाई राठौड़ पर हमला किया। इसी दौरान उसके पैर में गोली मारी गई। मोइनुद्दीन ने भागने की कोशिश की थी।

ट्रंप के नाम पर सड़क का नाम रखेंगे रेड्डी

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद की एक सड़क का नाम अमेरिका के

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर रखने का प्रस्ताव रखा है। तेलंगाना के सीएम का यह फैसला तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट के दौरान अंतरराष्ट्रीय सुर्खियां पाने की कोशिश लग रहा है। इसे लेकर सीएम रेड्डी विरोधियों के निशाने पर आ गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सामान्य भविष्य निधि पर सुनाया अहम फैसला

दिवंगत कर्मचारी की जीपीएफ राशि पत्नी-मां में बराबर बांटी जाए, पूर्व का नामांकन 'अमान्य'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भले ही पति की मां को नामित किया गया हो, परिवार को परिभाषित

सुप्रीम कोर्ट ने एक महिला की याचिका स्वीकार कर ली। महिला ने कहा कि उसके दिवंगत पति की नौकरी के दौरान जमा हुई सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) की रकम उसे मिलनी चाहिए, भले ही पति की मां को ही नामित किया गया हो। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि जब कोई कर्मचारी परिवार बनाता है (जैसे शादी हो जाती है), तो पहले भरा गया नामांकन फॉर्म अपने-आप मान्य नहीं रहता। अगर कर्मचारी ने परिवार बनने से पहले किसी को नामित किया था, तो वह नामांकन बाद में वैध नहीं माना जाता। ऐसी स्थिति में रकम परिवार के सभी पात्र सदस्यों में बराबर हिस्से में बांटी जानी चाहिए।पीठ ने कहा कि हालांकि, दिवंगत कर्मचारी ने अपनी मां को नामित किया था, लेकिन नामांकन फॉर्म में मौजूद शर्तों के अनुसार कर्मचारी की मृत्यु के समय वह नामांकन मान्य नहीं रह गया।अदालत ने यह भी साफ कहा कि जीपीएफ का नामांकन फॉर्म या उसमें भरा गया कोई भी हिस्सा, मां को पत्नी से ज्यादा अधिकार नहीं देता।

शादी के बाद भरा गया फॉर्म मान्य नहीं हो सकता

अदालत ने यह भी कहा- मां को पत्नी से ज्यादा अधिकार नहीं

नामांकन अमान्य तो सभी सदस्यों में वितरण होना चाहिए

पति ने 2003 में अपनी पत्नी (याचिकाकर्ता) से शादी की। शादी के बाद उसने कई अन्य नौकरी से जुड़ी सुविधाओं में पत्नी को ही लाभ लेने वाला (नॉमिनी) बनाया, लेकिन जीपीएफ वाले नामांकन में बदलाव नहीं किया और वह पहले जैसा ही बना रहा। शीर्ष अदालत ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रासंगिक नियम वास्तव में यह प्रावधान करते हैं कि जब कोई नामांकन अमान्य हो जाता है, तो राशि सभी पात्र सदस्यों के बीच वितरित की जानी चाहिए।

उन्होंने नामांकन बदलने की कोई कोशिश नहीं की

अदालत ने यह स्पष्ट किया कि अगर नामांकन अमान्य हो जाए, तो जीपीएफ की रकम परिवार के सभी पात्र सदस्यों में बांटी जाती है। अदालत ने यह भी कहा कि पति के पास 2003 में शादी होने से लेकर 2021 में

पत्नी आधी रकम पहले ही प्राप्त कर चुकी

कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों की जिम्मेदारी नहीं होती कि वे नामांकन बदलने या रद्द करने के लिए याद दिलाएं। यह कर्मचारी का अपना कर्तव्य है। नियमों में साफ बताया गया है कि उसके बाद परिवार के जीवित सदस्यों में पैसा कैसे बांटा जाएगा। कोर्ट ने कहा कि पत्नी को आधी रकम पहले ही मिल चुकी है।

कार में बैठकर वकालत नहीं हो सकती, वकीलों के लिए क्यूबिकल का आदेश दिया

कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को निर्देश दिया कि कोर्ट परिसरों में वकीलों के लिए ऐसे क्यूबिकल उपलब्ध कराए जाएं, जहां से वे आराम से वर्चुअल सुनवाई में शामिल हो सकें। कोर्ट ने ये बात तब कही जब उसे पता चला कि कई वकील मजबूरी में अपनी कारों में बैठकर ही ऑनलाइन सुनवाई में जुड़ रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश श्रीचंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम ए. अखंड की पीठ राज्य में चल रही स्थानीय निकाय चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। पूरे महाराष्ट्र से 100 से ज्यादा याचिकाएं मुख्य न्यायाधीश की बेंच पर भेजी गई हैं ताकि अलग-अलग आदेश न निकलें। इसलिए अलग-अलग जिलों के वकील वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बहस कर रहे हैं।

कार में बैठकर कोर्ट को एड्रेस नहीं कर सकते

एक वकील कार में बैठकर ऑनलाइन पेश हुए। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि ये कार में बैठा कौन है? आप लॉग ऑफ करिए। इस पर वकील ने तुरंत कनेक्शन बंद कर दिया, लेकिन कुछ देर बाद नागपुर की एक वकील भी कार में बैठकर ऑनलाइन जुड़ीं। तब पीठ ने फिर कहा आप कार में बैठकर कोर्ट को संबोधित नहीं कर सकतीं।

क्या वकीलों के लिए क्यूबिकल नहीं है?

पीठ ने राज्य सरकार से पूछा कि क्या वकीलों के लिए ऑनलाइन पेश होने का कोई क्यूबिकल नहीं है? कोई जगह होनी चाहिए। आमतौर पर बार असोसिएशन यह सुविधा देता है.।कुछ क्यूबिकल होने चाहिए। राज्य की ओर से पेश अतिरिक्त सरकारी वकील नेहा भिड़े ने बताया कि मुंबई में अलग से जगह नहीं है।

गोवा नाइट क्लब हादसा

फुकेट भागे आरोपी, चालक अरेस्ट पुलिस इंटरपोल की ले रही मदद

मालिक का चालक भरत अरेस्ट, करता था प्रबंधन

एजेंसी ▶▶ पणजी

गोवा के एक नाइट क्लब में भीषण आग लगने की घटना के मामले में दिल्ली से एक गिरफ्तारी हुई है। इस अग्निकांड में 25 लोगों की जान चली गई थी। राज्य पुलिस ने दिल्ली से नाइट क्लब के एक कर्मचारी को हिरासत में लिया है। यह गिरफ्तारी मामले की जांच में एक नया मोड़ ला सकती है।

हिरासत में लिए गए व्यक्ति की पहचान भरत कोहली के रूप में हुई है, जो दिल्ली के सब्जी मंडी इलाके का निवासी है। कोहली पर उसके दैनिक संचालन की देखरेख की जिम्मेदारी थी। पुलिस के मुताबिक, घटना के तुरंत बाद दो मुख्य आरोपी गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा देश से बाहर चले गए। उनकी गिरफ्तारी के लिए अब इंटरपोल की सहायता ली जा रही है, जबकि एक अन्य आरोपी भारत कोहली को दिल्ली से पकड़कर ट्रांजिट रिमांड पर गोवा लाया गया है।

अब तक कई आए लपेट में

इस मामले में गोवा पुलिस पहले ही कई गिरफ्तारियां कर चुकी है। गिरफ्तार किए गए लोगों में क्लब के मुख्य महाप्रबंधक राजीव मोदक, महाप्रबंधक विवेक सिंह, बार प्रबंधक राजीव सिंघानिया और गेट प्रबंधक रियांशु ठाकुर शामिल हैं। अब कोहली की गिरफ्तारी हो चुकी है। इस बीच मालिक ने वीडियो भेजकर घटना पर दुख जताया है, लेकिन वह फरार है।

4 आरोपियों को 6 दिन की हिरासत

अंजुना पुलिस ने क्लब के मुख्य महाप्रबंधक राजीव मोदक (49 वर्षीय, निवासी आर.के. पुरम, नई दिल्ली), महाप्रबंधक विवेक सिंह (27 वर्षीय, निवासी जौनपुर, उत्तर प्रदेश), बार प्रबंधक राजीव सिंघानिया (32 वर्षीय, निवासी गोरखपुर, उत्तर प्रदेश) और गेट प्रबंधक प्रियांशु ठाकुर (32 वर्षीय, निवासी मालवीय नगर, नई दिल्ली) को गिरफ्तार किया है। चारों को अदालत में पेश किया गया, जहां उन्हें छह दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया।

2 अन्य क्लब और ढाबा पर भी कार्रवाई

उत्तर गोवा जिला प्रशासन ने वैगेटर और असागाओ में स्थित रोमियो लेन चेन के दो अन्य क्लब और एक तटीय ढाबा भी बंद कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि इन दोनों संपत्तियों पर भी कार्रवाई की गई क्योंकि ये विवादों में शामिल थीं।

नवजोत ने '500 करोड़' पर दी सफाई

मेरे 'बयान' को तोड़ा-मरोड़ा गया पार्टी ने सदस्यता से किया सस्पेंड

एजेंसी ▶▶ अमृतसर

कांग्रेस की नेता नवजोत कौर सिद्धू ने 'मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए 500 करोड़ रुपए' वाले बयान पर राजनीतिक विवाद

खड़े होने के बाद सफाई दी है। उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणी को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। नवजोत को पार्टी से संस्पेंड कर दिया गया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि डॉ. नवजोत कौर सिद्धू को तत्काल प्रभाव से पार्टी की प्राइमरी सदस्यता से सस्पेंड कर दिया गया है।

नवजोत ने यह कहा था

नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत ने श कहा था कि जो 500 करोड़ रुपए का 'सूटकेस' देता है, वही मुख्यमंत्री बन जाता है। कौर ने शनिवार को पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा था कि अगर कांग्रेस उन्हें पंजाब में पार्टी का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करती है, तो उनके पति सक्रिय राजनीति में लौट आएंगे।

कबीर ने 6 दिसंबर को बाबरी जैसी मस्जिद का शिलान्यास किया

मुस्लिम व्यापारी ने 80 करोड़ देने को कहा, 11 बक्से भरे नोट मिले

नकद दान में एकत्र मुद्राओं का सही मूल्य निर्धारित नहीं किया गया

एजेंसी ▶▶ मुर्शिदाबाद

तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने 6 दिसंबर को बाबरी जैसी मस्जिद का शिलान्यास किया था। मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में प्रस्तावित बाबरी मस्जिद के लिए दान में मिले नोटों के ढेरों की गिनती का एक वीडियो कबीर द्वारा अपने सोशल मीडिया पेज पर पोस्ट किए जाने के बाद काफ़ी चर्चा में है। इतनी रकम देने वाले का नाम नहीं बताया। कबीर ने बताया कि प्रस्तावित मस्जिद का बजट 300 करोड़ है।

मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में होगा निर्माण

चंदे की गिनती की जा रही

यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और लोग सवाल कर रहे हैं कि आखिर इतने पैसे कहां से इकट्ठा किए गए? कबीर ने बताया कि प्रस्तावित मस्जिद की आधारशिला रखे जाने के दिन शनिवार से स्थानीय निवासियों से नकद दान के रूप में नोटों से भरे 11 बक्से एकत्र किए गए हैं। नकद दान के रूप में एकत्र की गई मुद्राओं का सही मूल्य अभी तक निर्धारित नहीं किया गया है। चंदे की गिनती हो रही है।

सोशल मीडिया के जरिए लगभग 93 लाख मिले

कबीर ने बताया कि ऑनलाइन चंदा भी आया है। एक क्यूआर कोड के ज़रिए लगभग 93 लाख मिले हैं। कबीर ने अनाम दानदाता के बारे में कोई जानकारी नहीं दी, जिसने लगभग 80 करोड़ देने का वादा किया है। उन्होंने उस व्यक्ति का नाम सिर्फ़ एक मुस्लिम व्यवसायी बताया।

कबीर का यू-टर्न, अब नहीं दूंगा इस्तीफा

बाबरी मस्जिद-शैली की मस्जिद का शिलान्यास कर राजनीतिक हलचल मचाने वालेकबीर नचौंकाने वाला यू-टर्न ले लिया। कुछ दिन पहले 17 दिसंबर को इस्तीफा देने का एलान कर चुके कबीर ने अब कहा है कि वह विधायक पद से इस्तीफा नहीं देंगे।मेरे इस्तीफे का कोई सवाल ही नहीं। मेरे क्षेत्र के लोगों ने मुझसे इस्तीफा न देने की अपील की है।

जबलपुर से अयोध्या धाम के लिए स्पेशल ट्रेन रवाना

19 कोचों में उमड़ा आस्था का सैलाब

जबलपुर। संस्कार सेवा उत्सव समिति द्वारा आयोजित अयोध्या धाम विशेष ट्रेन यात्रा मंगलवार दोपहर भक्तिमय माहौल के बीच मदन महल स्टेशन से रवाना हुई। 19 कोचों में सवार 1520 श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के उद्घोष के साथ यात्रा का शुभारंभ किया। दोपहर 2:30 बजे प्लेटफॉर्म नंबर-4 से विशेष ट्रेन अयोध्या के लिए प्रस्थान कर गई। स्टेशन पर यात्रियों का पारंपरिक स्वागत किया गया। समिति पदाधिकारियों ने बताया कि अयोध्या पहुंचने पर श्रद्धालु होटल में विश्राम के बाद श्रीराम जन्मभूमि (रामलला विराजमान), हनुमानगढ़ी और सरयू घाट के दर्शन करेंगे। यात्रियों की सुविधा के लिए संपूर्ण व्यवस्था की गई है। हर कोच में सेवाधारी तैनात हैं। भोजन, नाश्ता और चाय उपलब्ध रहेगी। यात्रियों को कंबल, चादर और तकिया सहित वेलकम किट प्रदान की गई। ठंड को देखते हुए गर्म कपड़े रखने की सलाह दी गई है।

समिति के संरक्षक डॉ. सुधांशु गुप्ता ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सहज वातावरण में आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करना है। विशेष ट्रेन 9 दिसंबर सुबह 10 बजे अयोध्या पहुंचेगी और दर्शन-पूजन के बाद उसी दिन रात 10:30 बजे वापसी होगी। परम पूज्य श्री चैतन्य नंदजी महाराज, प्रशांत सिंह, विधायक अशोक रोहाणी, विधायक नीरज सिंह, अभिलाष पांडे, जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू ब्रिज, पार्षद कमलेश अग्रवाल, पूर्व विधायक हरेंद्र सिंह बब्बू, समरसता सेवा संगठन के संदीप जैन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

आई ड्राप लेकर पहुंचे निगम कार्यालय, जमकर की नारेबाजी

सपा ने निगमायुक्त के खिलाफ किया अनोखा प्रदर्शन

जबलपुर। नगर निगम कार्यालय में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अस्पतालों में फायर सेफ्टी और कमर्शियल बिल्डिंगों में फर्जी एनओसी को लेकर निगमायुक्त कि खिलाफ प्रदर्शन कर ज्ञापन के साथ आई ड्राप सौंपा। इस दौरान प्रदेश सचिव आशीष मिश्रा ने कहा कि जिस प्रकार से जबलपुर में अस्पतालों के द्वारा फर्जी एनओसी के तहत फायर सेफ्टी बताकर अस्पताल संचालित किए जा रहे हैं, वह मरीजों की सुरक्षा और उनकी जान के साथ खिलवाड़ है। पूर्व में भी जबलपुर में अस्पताल में आग लगने की वजह से आठ लोगों की जान जा चुकी है, इसके बावजूद नगर निगम फायर सेफ्टी विभाग और स्वास्थ्य विभाग जमीनी स्तर पर जांच नहीं कर रहा है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि कहीं न कहीं नगर निगम की संलिप्तता इसमें है। समाजवादी पार्टी ने मांग की है कि जमीनी स्तर पर जाकर मॉकड्रिल की जाए, जिससे पता चल जाएगा कि किस तरह से वे अस्पताल फर्जी एनओसी के जरिये संचालित किए जा रहे हैं। सपा ने चेताया कि यदि निगम अधिकारी मौके पर पहुंचकर अस्पतालों की जांच नहीं करते, तो समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता स्वयं जाकर मॉकड्रिल करेंगे। वहीं जबलपुर मार्केटों में लगातार आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं जिसको लेकर सपा के प्रदेश सचिव आशीष मिश्रा ने कहा कि कमर्शियल बिल्डिंग रहवासी बिल्डिंग, अपार्टमेंट्स जैसे अनेक बिल्डरों द्वारा निर्मित कर दी गईं लेकिन इनमें पानी तो छोड़िए हवा तक सही नहीं आती, अगर भविष्य में कोई अग्नि दुर्घटना होती है तो भारी जनमानस को भारी नुकसान होगा। ज्ञापन के दौरान प्रदेश सचिव आशीष मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश यादव, कमलेश पटेल, अभिषेक शर्मा, दीपेन्द्र दुबे, रंजीत सिंह, राम पटेल सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधानसभा में रादुविवि कुलपति की नियुक्ति पर उठे सवाल, मंत्री के जवाब से बढ़ी शंकाएं

भोपाल/जबलपुर। विधानसभा के शीतकालीन सत्र में जबलपुर पूर्व के विधायक लखन घनघोरिया द्वारा रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश कुमार वर्मा की नियुक्ति पर उठाए गए प्रश्नों ने सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया। नियम 138(1) के तहत दी गई ध्यानाकर्षण सूचना में प्राध्यापक पद पर नियुक्ति से जुड़े योग्यता मानदंड, शोध कार्य, अनुभव, तथा 2011 में जारी शुद्धिपत्र की वैधता पर गंभीर सवाल उठाए गए, लेकिन उच्च शिक्षा मंत्री इन मुख्य बिंदुओं पर स्पष्ट उत्तर देने से बचते दिखे। विधायक ने पूछा था कि क्या प्रो. वर्मा 2009 के विज्ञापन और UGC मार्गदर्शिका में निर्धारित "प्रमुख विद्वान" की शर्तों शोध प्रकाशन, परियोजनाएँ, शोध निर्देशन को पूरा करते थे? लेकिन मंत्री का उत्तर केवल "17 वर्ष 7 माह का अनुभव" बताने तक सीमित रहा। इसी तरह 1998 में सहायक प्राध्यापक नियुक्ति के समय शासन की अनिवार्य स्वीकृति के दस्तावेज और 2011 में जारी शुद्धिपत्र के कानूनी आधार पर भी कोई उत्तर नहीं दिया गया। विधायक ने यह भी पूछा था कि शुद्धिपत्र से पहले और बाद में कितने अभ्यर्थी पात्र बने, पर मंत्री ने संख्याएँ बताने से भी परहेज किया। मंत्री के इन सामान्यीकृत उत्तरों से सरकार की जवाबदेही पर प्रश्नचिह्न और गहरा हो गया है। विधायक घनघोरिया द्वारा उठाए गए कई तथ्यात्मक सवाल अब भी अनुत्तरित हैं, जिससे चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर नई बहस छिड़ गई है।

मोरारी बापू महापौर को आशीर्वाद देने परिजनों के बीच पहुंचे

जबलपुर। संस्कारधानी के प्रथम सेवक और महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के निवास पर उस समय एक अत्यंत पावन और अविस्मरणीय क्षण आया, जब विश्व प्रसिद्ध राम कथा वाचक परम पूज्य संत स्वामी मोरारी बापू उनके आग्रह पर महापौर को आशीर्वाद देने उनके परिजनों के बीच मदन महल स्थित निज निवास पहुँचे। महापौर श्री अन्नू ने बताया कि आज का यह पल मेरे व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन दोनों के लिए गौरव का पल है। महापौर ने अपने संपूर्ण परिवार के साथ परम पूज्य संत स्वामी मोरारी बापू का स्वागत किया और उनकी विधिवत आरती की। इस दौरान महापौर और उनके परिजनों ने बापू से पावन आशीर्वाद प्राप्त किया।

संत रविदास समाज के साहसी लोगों ने पूना के राजा को किया था पराजित

जबलपुर। संत रविदास विचार मंच के मोहनलाल चौधरी ने बताया कि 07 दिसम्बर को लालमाटी झामनदास चौक खेरमाई मंदिर में मंच की सभा संपन्न हुई। मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शारदा प्रसाद चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सन 1818 को 01 जनवरी को पूना के राजा से भीमा नदी के पास महायुद्ध हुआ, जिसमें पूना के राजा के 28000 सैनिकों को संत रविदास समाज के 500 लोगों ने पराजित कर दिया था। अतः इस जीत की खुशी में संत रविदास के अनुयाइयों को चाहिए कि वे 01 जनवरी को अपने पूर्वजों की याद में अपने घरों में दीप प्रज्वलित करें। सभा में धर्मेन्द्र सतनामी, मोहनलाल चौधरी, ब्रजलाल चौधरी, तुलसीराम चौधरी, मनोज कुमार, कंधीलाल, चंदाबाई, रामकली, रामबाई, सियाबाई, द्रोपदीबाई, मीना चौधरी, श्यामा बाई, सीता चौधरी सहित सैकड़ों सदस्य उपस्थित रहे।

आईएएस संतोष वर्मा के बयान पर ब्राह्मण समाज ने राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा

जबलपुर। ब्राह्मण समाज ने आईएएस संतोष वर्मा द्वारा की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में गोरखपुर जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। संपूर्ण ब्राह्मण मंच के नेतृत्व में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट उत्कर्ष श्रीवास्तव को सौंपा गया। मंच अध्यक्ष डॉ. आलोक पांडेय और संरक्षक अवधेश कुमार मिश्र ने मांग की कि सरकार संतोष वर्मा को पद से बर्खास्त कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करे। वक्ताओं ने कहा कि किसी भी समाज पर अपमानजनक टिप्पणी रोकने हेतु कठोर कानून बनाया जाना चाहिए। कार्यक्रम में महिला प्रतिनिधियों ने भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए संतोष वर्मा के सामाजिक बहिष्कार की मांग की। आयोजन में अवधेश मिश्र, सुमन तिवारी, डॉ. कुमुद त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

जुए के 2 फड़ों पर छापा

जबलपुर। बरगी पुलिस ने तिन्सी रेलवे फाटक के पास रेल पटरी के किनारे चल रहे दो जुए के फड़ों पर छापा मारकर 6 जुआड़ियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 23 हजार 60 रुपए जब्त किए है। बरगी थाना प्रभारी प्रशिक्षु डीएसपी हेमंत कुमार ने बताया कि गत दिवस मुखबिर की सूचना पर तिन्सी रेलवे फाटक के पास रेल पटरी किनारे दो जुए के फड़ों पर छापा मारकर जुआड़ी विनीत पटेल, रोहित जायसवाल, फूलचंद तिवारी, राकेश पटेल, गोपाल स्वामी , शेख अकरम को गिरफ्तार कर उनके पास से ताश के पत्ते एवं नगदी 23 हजार 60 रूपये जप्त कर सभी जुआड़ियों के विरूद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

अक्टूबर की तुलना में नवंबर का बिजली बिल बढ़ा

जीएसटी 2.0 लागू होने तथा कोयले पर सेस हटने से भी बिजली सस्ती नहीं हुई

जबलपुर। केन्द्र सरकार ने 22 सितंबर से कोयले पर जीएसटी 05 प्र.श. से बढ़ाकर 18 प्र.श. की, लेकिन कोयले पर वर्तमान में लगने वाला 400 रुपये प्रति टन सेस हटा दिया। परिणामस्वरूप बिजली उत्पादन में लागत घटेगी तथा इस बचत से फ्यूल सरचार्ज में कमी आने से बिजली सस्ती होगी, यह उम्मीद थी, इसका असर दो माह बाद ही दिखेगा क्योंकि फ्यूल सरचार्ज दो माह पूर्व के आंकड़ों पर तय किया जाता है।

लेकिन पावर मैनेजमेंट कंपनी द्वारा दो माह पूर्व के सितंबर के आधार पर नवंबर के फ्यूल चार्ज को तय कर जब 28 नवंबर को सर्कुलर जारी किया तब स्पष्ट हुआ की जीएसटी 2.0 लगने तथा कोयले से सेस हटाने के बावजूद भी बिजली सस्ती नहीं हुई, नवंबर का फ्यूल सरचार्ज अक्टूबर की तुलना में घटा नहीं, बल्की बढ़ गया है। डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने बताया कि नियामक आयोग द्वारा निर्धारित टैरिफ के आधार पर यदि उपभोक्ता 1000 रु. प्रति माह बिल देता है, तो उसे अक्टूबर के मायनस 4.73 प्रतिशत फ्यूल सरचार्ज के कारण 953 रुपये का भुगतान करना पड़ा, जबकि अब नवंबर में मायनस 2.23 प्रतिशत फ्यूल सरचार्ज के कारण 978 रुपये देना पड़ेगा। स्पष्ट है उसे 25 रुपयों का नुकसान होगा। प्रदेश सरकार जाँच कराये। जनसंगठनों के रजत भार्गव, एड. वेदप्रकाश अधौलिया, टी.के. रायघटक, डी.के. सिंग, डी.आर. लखेरा, संतोष श्रीवास्तव, सुशीला कनौजिया, गीता पांडे, राममिलन शर्मा ने प्रदेश सरकार से जाँच कर आवश्यक कदम उठाने की मांग की है ताकि जीएसटी 2.0 तथा कोयले से सेस हटाने का लाभ उपभोक्ताओं तक क्यों नहीं पहुँचा, यह वस्तुस्थिति सामने आ सके।

विद्युत मंडल अभियंता संघ की बैठक संपन्न, मांगे नहीं मानी तो होगा आंदोलन

जबलपुर। हरिभूमि। विद्युत मंडल अभियंता संघ की केंद्रीय और क्षेत्रीय कार्यकारिणी की बैठक संघ कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में फिजिकल और ऑनलाइन माध्यम से सभी क्षेत्रों के पदाधिकारी एवं अभियंता बड़ी संख्या में शामिल हुए। बैठक में महासचिव विकास कुमार शुक्ला ने वर्तमान परिस्थितियों, बढ़ते असंतोष और अभियंताओं पर दबाव को रेखांकित करते हुए प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में ट्रांसमिशन कंपनी में TBCB प्रणाली और वितरण कंपनियों में Electricity Amendment Bill 2025 के जरिए हो रहे निजीकरण का विरोध करने का निर्णय लिया गया। साथ ही 50% बिजली रिबेट, सोलर रूफटॉप स्कीम लागू करने, O-3 आदेश को विलोपित करने, लाभांश से इंसेंटिव, Technical Allowance, Higher Pay Revision, Stipend Difference और पूर्व/मध्य क्षेत्रों को जनवरी 2010 से छठवां वेतनमान देने की मांग प्रमुख रही। बैठक में विद्युत कालोनियों में 50 वर्ष से अधिक पुराने और जर्जर आवासों को तोड़कर आधुनिक आवास बनाने तथा भ्रष्टाचार के मामलों पर विशेष चर्चा की गई। महासचिव ने कहा कि भ्रष्टाचार कंपनियों को खोखला कर देगा और संघ इस पर तथ्य एकत्र कर कार्रवाई करेगा। श्री विकास कुमार शुक्ला ने सभी से आव्हान किया कि अपने-अपने क्षेत्र में अभियंताओं को इन मुद्दों से अवगत कराएं और सभी मिलकर समाधान के लिए सक्रिय रूप से कार्य करें। बैठक में सैकड़ों पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे और आगामी कार्ययोजना में सक्रिय योगदान का संकल्प लिया गया।

कृषि अभियांत्रिकी कॉलेज में नव प्रवेशित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा से कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय में नव प्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारंभ कार्यक्रम का भव्य समापन हुआ। 24 नवम्बर से चल रहे इस द्वि-साप्ताहिक कार्यक्रम में छात्रों को महाविद्यालय के नियम, अनुशासन, नैतिक दायित्व, शैक्षणिक गतिविधियाँ, विभागों व प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय और विश्वविद्यालय की अन्य सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विशेष अतिथि प्रो. एन. के. गोंटिया (भूतपूर्व कुलपति, जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय), डॉ. नवीन शर्मा (साइंटिफिक एड्वाइजर, माइक्रो वियोमा प्रा. लि., बैंगलोर) और श्री दिवांशु गौतम (प्रोग्राम ऑफिसर, एनएसएस) ने विद्यार्थियों को कृषि अभियांत्रिकी में करियर अवसर, पर्सनल डेव्लपमेंट और राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर मार्गदर्शन दिया। अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों के उत्साह की प्रशंसा करते हुए उन्हें कृषि अभियांत्रिकी क्षेत्र में उपलब्ध अनंत संभावनाओं से परिचित कराया।

कार्यक्रम के सुचारू संचालन में डॉ. ए. के. गुप्ता, इंजी डी. एम. कदम, डॉ. दीपक पटले और इंजी वाय. एन. श्रीवास्तव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय के वैज्ञानिक, प्राध्यापक, विभागाध्यक्ष, कर्मचारी और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कुर्मी समाज के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी पर कड़ी कार्रवाई की मांग, एसपी को ज्ञापन सौंपा

जबलपुर। कुर्मी क्षत्रिय समाज जिला समिति ने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। समिति ने बताया कि सागर जिले के रहली निवासी मुरारी पांडे द्वारा सोशल मीडिया पर कुर्मी समाज के प्रति आपत्तिजनक व अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया गया, जिससे समाज में आक्रोश है। समाज ने आरोपी की गिरफ्तारी पर संतोष जताते हुए मांग की कि उसके विरुद्ध कठोर धाराएं लगाई जाएं और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाए, ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला अध्यक्ष विवेक चौधरी, युवा अध्यक्ष शैलेंद्र पटेल, सुरेश पटेल, कैप्टन ओपी सचान सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

विद्युत समंक 2025 विमोचित

जबलपुर। मध्यप्रदेश में घरेलू बिजली उपभोक्ता की संख्या 1 करोड़ 29 लाख 60 हजार है, प्रति व्यक्ति विद्युत खपत (रूफ टॉप सोलर खपत को छोड़ कर) 1333 किलोवाट प्रति घंटा से बढ़ कर 1399 किलोवाट प्रति घंटा हो गई है। मध्यप्रदेश की उपलब्ध उत्पादन क्षमता वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 24565 मेगावाट हो गई। मध्यप्रदेश के विद्युत सेक्टर की जानकारियों व नवीनतम आंकड़ों से परिपूर्ण प्रमुख विद्युत समंक 2025 का आज मध्यप्रदेश के ऊर्जा सचिव व एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक विशेष गढ़पाले ने क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल में विमोचन किया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक स्टेट प्लानिंग सेल (एसपीसी) एफके मेश्राम, मुख्य महाप्रबंधक वाणिज्यिक गैर-पारंपरिक राकेश कुमार ठुकराल, एसपीसी के अतिरिक्त मुख्य अभियंता अनिल कन्हौआ, अतिरिक्त मुख्य अभियंता धीरज मुनिया सहित वरिष्ठ अभियंता उपस्थित थे। विद्युत उत्पादन, उपलब्धता, ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन के नवीनतम आंकड़ों से समाहित बारह पृष्ठीय प्रमुख विद्युत समंक 2025 का प्रकाशन एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के स्टेट प्लानिंग सेल ने किया है।

CHANGE OF NAME
I, ARMY NO. 6499919F RANK NK NAME ANIRUDH PRATAP SINGH S/O VIRENDRA SINGH OF UINT 54 COY ASC (SUPLY) AADHAR CARD No. 9258 8817 3007 I, have changed name of my **MOTHER**, from **BIMLWSH SINGH** (name as per my **ARMY SERVICE RECORDS)** to **BIMLESH SINGH** (name as per my **MOTHER, AADHAR CARD NO. 7435 1992 3834)** vide affidavit dated **06/12/2025** formerly before Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT, JABALPUR (MP)
CORRECT NAME
BIMLESH SINGH
INCORRECT NAME
BIMLWSH SINGH

CHANGE OF NAME AND DATE OF BIRTH
I, ARMY NO. 6499919F RANK NK NAME ANIRUDH PRATAP SINGH S/O VIRENDRA SINGH OF UINT 54 COY ASC (SUPLY) AADHAR CARD No. 9258 8817 3007 I, have changed name and date of birth of my **FATHER** from name **VIRENDRA PRATAP SINGH** and date of birth **16/05/1966** (Name and date of birth as per my Army Service Records) to name **VIRENDRA SINGH** and date of birth **01/01/1966** (name and date of birth as per my **FATHER, AADHAR CARD NO. 5893 3028 3387)** vide affidavit dated **06/12/2025** (date of affidavit) formerly before Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT, JABALPUR (Name and place of Court).
CORRECT NAME-VIRENDRA SINGH
INCORRECT NAME
VIRENDRA PRATAP SINGH
CORRECT DATE OF BIRTH
01/01/1966
INCORRECT DATE OF BIRTH
16/05/1966

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक-12 घंटाघर नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं.सं.अधि/सं.क्रं.12/2025-26/ एम-31
दिनांक:- 01/12/2025
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री प्रफुल्ल नाथ यादव पिता स्व. श्री सोमनाथ यादव ने मकान नं. 219 वार्ड पं. मदन मोहन मालवीय कुल क्षेत्रफल 1325 व.फु. निर्मित क्षेत्रफल 800 व.फु. भूतल 400RCC भूतल 400 कच्चा विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-12, घंटाघर नगर निगम, जबलपुर में प्रमाणं सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.12 घंटाघर
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक-12 घंटाघर नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं.सं.अधि/सं.क्रं.12/2025-26/ एम-37
दिनांक:- 01/12/2025
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री जितेन्द्र कश्यप, प्रमेन्द्र कश्यप दोनों के पिता श्री देवी प्रसाद कश्यप ने मकान नं. 283 वार्ड महर्षि अरविन्द कुल क्षेत्रफल 1260 व.फु. निर्मित क्षेत्रफल 500 व.फु. भूतल 500 व.फु. मृत्यु प्रमाणपत्र/वसीयतनामा के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-12, घंटाघर नगर निगम, जबलपुर में प्रमाणं सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.12 घंटाघर
नगर निगम, जबलपुर